सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 61 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 5 अप्रैल, 2023

मूल्य ₹ 3/-

अज्ञानी होना उतनी शर्म की बात नहीं है जितना कि सीखने की इच्छा ना रखना।
बेंजामिन फ्रैंकलिन

शेखावत को हाईकोर्ट से लगा... 2 | धर्म के सहारे चुनावी नैया पार... 3 | एकबार फिर सामाजिक आंदोलन... 7

प्रेस की आजादी को मिला 'सुप्रीम' संबल

शीर्ष कोर्ट की सख्त टिप्पणी, लगाई फटकार

सरकार की नीतियों की आलोचना राष्ट्रविरोधी नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने सख्त टिप्पणी से केंद्र सरकार को आईना दिखाया है। शीर्षस्थ न्यायालय ने कहा कि मीडिया द्वारा सरकार की नीतियों की आलोचना को राष्ट्रविरोधी नहीं करार दिया जा सकता है। मीडिया की जिम्मेदारी बनती है कि वो सच को सामने रखें। लोकतंत्र की मजबूती के लिए इसका स्वतंत्र रहना जरूरी है, मीडिया से सिर्फ सरकार का पक्ष रखने की उम्मीद नहीं की जाती।

केरल के मीडिया वन चैनल पर प्रतिबंध के केंद्र के फैसले को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा-राष्ट्रीय सुरक्षा की दुहाई यूँ ही नहीं दी जा सकती, सीलबंद कवर का बेहद कम मामलो में इस्तेमाल होना चाहिए और इसके लिए सरकार को कोर्ट को आश्वस्त करना होगा। सरकार को ये विशेषाधिकार नहीं है कि वो कोर्ट में उसके खिलाफ आये पक्ष को जानकारी ही नहीं दे।

मीडिया की जिम्मेदारी वो सच को सामने रखे

निष्पक्ष कार्यवाही के अधिकार का उल्लंघन : चंद्रचूड़

फैसला देते हुए चीफ जस्टिस (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि सुरक्षा कारणों से इनकार के कारणों का खुलासा नहीं करना और सिर्फ सीलबंद लिफाफे में कोर्ट को बताना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों और निष्पक्ष कार्यवाही के अधिकार का उल्लंघन है। केवल राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों में शामिल होने से राज्य निष्पक्षता से काम नहीं कर पाएगा। कोर्ट ने कहा कि अपनाई गई सीलबंद कवर प्रक्रिया ने याचिकाकर्ता को भूल भुलैया में डाल दिया। ये तरीका प्राकृतिक न्याय और संविधान द्वारा दिए गए मौलिक अधिकार के खिलाफ है।

मीडिया वन चैनल को दे लाइसेंस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केरल हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली मीडिया वन की याचिका को स्वीकार कर लिया है, जिसने समाचार चैनल के लाइसेंस को रद्द करने के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के आदेश को बरकरार रखा था। सुप्रीम कोर्ट ने सूचना प्रसारण मंत्रालय को चार हफ्ते के अंदर चैनल को नवीनीकरण लाइसेंस जारी करने को कहा। शीर्ष अदालत ने अंतरिम आदेश तक नवीनीकरण की अनुमति जारी रखने की अनुमति दी।

राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला बताने पर देना होगा ठोस कारण

राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देने और सील कवर को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला आया है। कोर्ट ने राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मामलों की सुनवाई के दौरान सीलबंद कवर प्रक्रिया अपनाने वाली व्यापक गाइडलाइन जारी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला थिन एयर में नहीं दिया जा सकता, इसके पीछे ठोस कारण दिए जाने चाहिए,सरकार को पहले राष्ट्रीय सुरक्षा के बारे में अदालत को समझाना होगा, फिर यह बताना होगा कि इस तरह की चिंता कैसे प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत पर हावी हो जाती है.ये लोगों के अधिकार का हनन है। सुप्रीम कोर्ट ने केरल के न्यूज़ चैनल मीडिया वन पर बैन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि- मीडिया का कर्तव्य है कि वह सत्ता से सवाल पूछे और नागरिकों को हार्ड फैक्ट्स (वस्तुस्थिति) से अवगत कराए। मीडिया का कर्तव्य है कि वह सत्ता से सवाल पूछे और नागरिकों को हार्ड फैक्ट्स (वस्तुस्थिति) से अवगत कराए - सुप्रीम कोर्ट। सुप्रीम कोर्ट ने केरल के न्यूज़ चैनल मीडिया वन पर बैन के फैसले को ग़लत ठहराया।

नेता जी को आज मिलेगा पद्म विभूषण

» राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देंगी सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री, देश के रक्षा मंत्री, प्रख्यात समाजवादी और धरतीपुत्र के नाम से मशहूर दिवंगत राजनेता मुलायम सिंह यादव को बुधवार को पद्मविभूषण पुरस्कार से नवाजा गया। समर्थकों के बीच 'नेताजी' के नाम से मशहूर मुलायम के बेटे और सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों सम्मान ग्रहण करेंगे। इस दौरान उनके साथ पत्नी और मैनपुरी सांसद डिंपल यादव भी मौजूद रहेंगी।

बुधवार यानि आज की शाम को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में उन्हें ये पुरस्कार दिया जाएगा। ये कार्यक्रम शाम पांच बजे तय किया गया है। पद्म विभूषण पुरस्कार लेने के लिए नेताजी के बेटे और सपा प्रमुख अखिलेश यादव आज सुबह दिल्ली पहुंचें। मुलायम सिंह यादव की गिनती देश के सबसे कद्दावर ओबीसी नेताओं में होती है। उत्तर प्रदेश जैसे देश के सबसे बड़े सूबे के कई बार मुख्यमंत्री रहे सपा संस्थापक एक समय प्रधानमंत्री पद के सबसे प्रबल दावेदार थे। यही वजह है कि उनके निधन के बाद उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग उठी थी। उनके भाई शिवपाल यादव और उनकी बहू डिंपल यादव ने नेताजी के कद का जिक्र करते हुए उन्हें भारत रत्न देने की मांग की थी।

चीन ने फिर उकसाया

» कहा, ज़ैंगनान (अरुणाचल प्रदेश) चीन का हिस्सा

» संप्रभुता का दावा, भारत ने की आपत्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चीन के अरुणाचल प्रदेश के 11 स्थानों का नाम चीनी में करने को भारत द्वारा खारिज किए जाने के बाद फिर से जहर उगला है। उसके तुरंत बाद भारत ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, ज़ैंगनान (अरुणाचल प्रदेश) चीन के क्षेत्र का हिस्सा है, चीन सरकार के सक्षम अधिकारियों ने ज़ैंगनान के कुछ हिस्सों के नामों का मानकीकरण किया है। यह चीन के संप्रभु अधिकारों के दायरे में है।

चीन ने अरुणाचल प्रदेश पर अपने दावे को फिर मज़बूत करने की कोशिशों के तहत राज्य में 11 स्थानों के लिए नए नामों का सेट जारी किया था। यह तीसरा मौका था, जब चीन ने अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदला चीन अरुणाचल प्रदेश को तिब्बत का दक्षिणी भाग ज़ैंगनान कहता है। चीन के गृह मंत्रालय ने सोमवार को चीनी, तिब्बती और पिनयिन अक्षरों में नामों का सेट जारी किया था।

शेखावत को हाईकोर्ट से लगा झटका

संजीवनी घोटाले में सीबीआई जांच की याचिका पर सुनवाई से इनकार

» सेंट्रल एक्ट के प्रोविजन के अनुसार जांच सीबीआई को सौंपने की गुहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर । संजीवनी क्रेडिट सोसाइटी के कथित घोटाले के मामले में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को फिलहाल राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस प्रवीर भटनागर के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हुए मामले में जस्टिस भटनागर ने याचिका की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया।

उन्होंने निर्देश दिया कि इसे सुनवाई के लिए किसी अन्य पीठ को सौंपा जाए। याचिका में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कथित संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी घोटाला मामले की जांच अनियमित जमा पर प्रतिबंध योजना अधिनियम 2019 के अधीन कराने और अपनी गिरफ्तारी पर रोक लगाने की गुहार की है। इससे पहले जस्टिस मनोज कुमार गर्ग ने भी इस याचिका की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। जस्टिस भटनागर की पीठ के समक्ष मंगलवार को वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंद्र सिंह, धीरेंद्र सिंह, सुल्तान सिंह और विवेक बाजवा ने सुनवाई का आग्रह किया। तो पीठ ने याचिकाकर्ता शेखावत सहित इस मामले से जुड़ी अन्य याचिकाओं को दूसरी पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए लगाने को कहा। संजीवनी क्रेडिट कोआपरेटिव सोसाइटी मामले में अन्य याचिकाकर्ताओं को कोर्ट अग्रिम आदेश तक गिरफ्तारी से राहत दे चुका है। शेखावत की याचिका में कहा गया है कि जमाकर्ता कई राज्यों से जुड़े होने के कारण इस मामले में केंद्रीय अधिनियम के प्रावधान के अनुसार जांच सीबीआई को सौंपी जानी चाहिए।

शेखावत ने राजस्थान पुलिस की एसओजी द्वारा दायर प्राथमिकी को रद्द करने और जांच सीबीआई को सौंपने के लिए 24 मार्च को हाईकोर्ट में यह याचिका दायर की थी। 28 मार्च को जस्टिस मनोज कुमार गर्ग ने खुदको सुनवाई से अलग किया था।

गहलोत पर मानहानि का केस

गजेंद्र सिंह शेखावत ने यह याचिका इसलिए लगाई है क्योंकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारी रिटर्न के नाम पर जमाकर्ताओं के पैसे की कथित हेराफेरी के संबंध में उनके और उनके परिवार पर आरोप लगाए हैं। शेखावत ने गहलोत के खिलाफ दिल्ली की एक कोर्ट में आपराधिक मानहानि का मुकदमा भी दायर किया है। जिसमें कहा गया है कि गहलोत ने उनके बारे में झूठे आरोप लगाए। जिससे उनकी प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति पहुंची है। पिछले महीने दिल्ली की कोर्ट के समक्ष अपना बयान दर्ज कराते हुए मंत्री ने कहा कि गहलोत भाजपा नेता के हाथों अपने बेटे की हार से हताशा में आकर ऐसा कर रहे हैं।

नड्डा 24 घंटे में दें नोटिस का जवाब : ओबीसी महासभा

» दावा- मोदी सरनेम ओबीसी के रूप में कहीं दर्ज नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्वालियर। ग्वालियर में ओबीसी मुद्दे पर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को नोटिस जारी किया गया है। नोटिस के हवाले से बताया गया है कि राहुल गांधी के मुद्दे पर जेपी नड्डा ने अपने ट्वीट में ओबीसी महासभा का अपमान किए जाने की बात कही है। इसी ट्वीट को आधार मानकर ओबीसी महासभा राष्ट्रीय कोर कमेटी के सदस्य धर्मेंद्र कुशवाह की ओर से जेपी नड्डा को भेजा नोटिस भेजा गया है। नोटिस मिलने के 24 घंटे के भीतर जवाब देने को कहा गया है।

ओबीसी महासभा का तर्क है कि मोदी सरनेम ओबीसी के रूप में कहीं दर्ज नहीं है। भेजे गए नोटिस में बताया गया कि न तो गुजरात राज्य और न केंद्र सरकार की सूची में ओबीसी वर्ग में मोदी सरनेम कहीं दर्ज नहीं है। नोटिस में कहा गया है कि राहुल गांधी ने सिर्फ मोदी शब्द का इस्तेमाल किया है न कि ओबीसी वर्ग का। इसलिए राहुल गांधी के मुद्दे पर ओबीसी विवाद में मोदी सरनेम के नाम पर ओबीसी वर्ग को नहीं घसीटा जाए। बता दें, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मोदी सरनेम वाले बयान को लेकर सूरत की एक कोर्ट ने 23 मार्च को दो साल सजा सुनाई, जिसके बाद उनकी लोकसभा सदस्यता रद्द हो गई है। इस मुद्दे को लेकर देश में राजनीति गरमाई हुई है।

जब भाजपा सत्ता में रही तो उसने कुछ नहीं किया : सुक्खू

» कहा- सत्ता गई तो होने लगी आउटसोर्स कर्मियों की चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने भाजपा पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि खुद तो कुछ किया नहीं, अब सत्ता से बाहर हुए हैं तो आउटसोर्स कर्मचारियों की बड़ी चिंता हो रही है। भाजपा के नेताओं ने उनके बजट भाषण को ठीक से नहीं सुना है। सदन में आउटसोर्स कर्मचारियों का मुद्दा उठने के बाद मुख्यमंत्री ने विधानसभा परिसर में मीडिया से बात की।

वह सूरत से शिमला देर से पहुंचे तो सुबह की सदन की बैठक में मौजूद नहीं हो पाए। सुक्खू ने कहा कि भाजपा वाले जब सत्ता में थे तो कुछ नहीं किया। केवल ध्यान आकर्षित करने के लिए यह किया जा रहा है।

नशेबाजों पर सख्त कार्रवाई करने को शाह से भी करेंगे मुलाकात

सुक्खू ने कहा कि नशे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात हुई थी। उन्होंने अनुरोध किया था कि नशे के सौदागरों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। यह केंद्रीय अधिनियम है। इसमें बदलाव करना होगा तो यह केंद्र सरकार ही कर सकती है। केंद्र सरकार इस बारे में राज्य सरकार के अनुरोध पर जरूर गौर करेगी। वह इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात करेंगे।

कमलनाथ इंटरनेशनल नेता हैं : गोविंद

» भाजपा के बयान पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ के विधायकों को लेकर दिये बयान पर सियासत भी गरमाने लगी है। मंगलवार को गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने उनके बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें एक्सीडेंटल नेता बता दिया था इस पर नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने कहा कि वह एक इंटरनेशनल नेता हैं।

कमलनाथ को एक्सीडेंटल नेता बताने पर नेताप्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने कहा कि जो 40 साल से सांसद और विधायक है वो एक्सीडेंटल कैसे हो सकते है। एक्सीडेंटल नेता कोई एक बार बन सकता है। कमलनाथ अंतरराष्ट्रीय स्तर के नेता है। नरोत्तम मिश्रा में दृष्टि है, उनको सही चीजें दिख नहीं रही।

इमरजेंसी के एक्सीडेंटल नेता हैं कमलनाथ : नरोत्तम मिश्रा

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कमलनाथ इमरजेंसी के एक्सीडेंटल नेता है। लोकतंत्र में जहां विधायक जनता चुनकर भेजती है। विधायकों के बारे में कमलनाथ जी का अहंकार बोलता है। जिनकी निगाह में राहुल गांधी की कीमत नहीं है। वह विधायकों की कीमत क्या जानेंगे। विधायकों को यह कहना कि उनकी कोई कीमत नहीं है। यह जनता का अपमान है। उन्होंने कांग्रेस की बैठक को लेकर कहा कि कांग्रेसी जबानी जमा खर्च के अलावा सिर्फ बैठक ही कर सकते हैं।

राहुल ने अपनी लड़ाई को लोकतंत्र की लड़ाई बनाया : सिंधिया

नई दिल्ली। भाजपा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा है। कांग्रेस को घेरते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने अपनी व्यक्तिगत लड़ाई को, लोकतंत्र की लड़ाई बना दिया है। वह राजनीतिक रूप से खुद को प्रासंगिक रखने के लिए जो संभव हो, वो कर रहे हैं। इसकी जितनी आलोचना की जाए कम है। बता दें कि मानहानि मामले में राहुल गांधी को सूरत की अदालत ने दो साल की सजा सुनाई है, जिसके बाद उनकी संसद सदस्यता चली गई है। इसे लेकर विपक्ष सरकार पर आरोप लगा रहा है। वहीं सरकार का कहना है कि कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रही है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

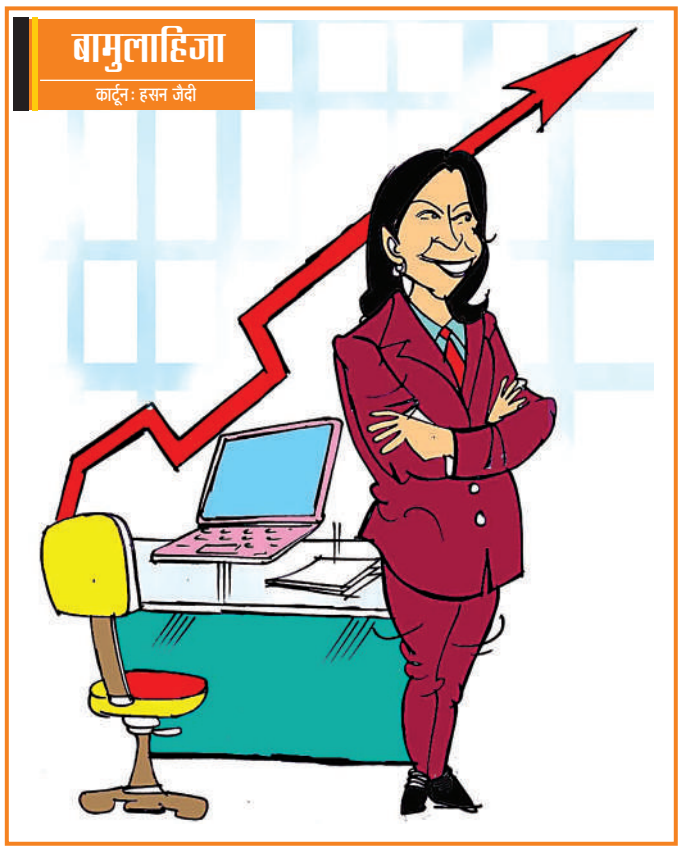

मोदी हमेशा राजनेता के जैसे बर्ताव करते रहे: आजाद

» पीएम ने उनके साथ बदले की भावना से काम नहीं किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। पूर्व राज्यसभा सांसद एवं डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के संस्थापक ने गुलाम नबी आजाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कभी उनके साथ बदले की भावना से काम नहीं किया। संसद में नेता विपक्ष रहने के दौरान वह भाजपा के विरोध में कई मुद्दों पर मुखर रहे, लेकिन पीएम मोदी ने फिर भी उनके साथ राजनेता के जैसे ही व्यवहार किया। गुलाम नबी आजाद ने कहा, मैंने उनके साथ जो किया उसके लिए मुझे मोदी को श्रेय देना चाहिए। वह बहुत उदार हैं।

नेता विपक्ष के रूप में मैंने उन्हें किसी भी मुद्दे पर नहीं बख्शा चाहें वह धारा 370 हो या सीएए या हिजाब का मामला। लेकिन उन्होंने एक राजनेता की तरह व्यवहार किया, उसका बदला नहीं लिया। साथ ही उन्होंने कहा कि जी23 को भाजपा का प्रवक्ता बताना मुर्खता है। अगर ऐसा था तो उन्हें कांग्रेस ने सांसद क्यों बनाया। उन्हें सांसद, महासचिव और पदाधिकारी क्यों बनाया गया। मैं अकेला हूं जिसने पार्टी बनाई है। बाकी लोग अभी वहीं हैं। यह दुर्भावनापूर्ण, और बचकाना आरोप है।

मप्र चुनाव : भगवा पर होगी सियासत

धर्म के सहारे चुनावी नैया पार लगाने की कोशिश

» भाजपा के हिंदुत्व को टक्कर देगी कांग्रेस

» पहले भी कांग्रेस ने किए कई धार्मिक आयोजन

गीताश्री

नई दिल्ली। राजनीति की राहे बहुत रपटीली हैं। इस पर चलना इतना आसान नहीं है। जो संभलकर चला वो तो अपने लक्ष्य को भेद लेता है नहीं तो इसकी रपट में आकर कई गायब हो जाते हैं। देश में पिछले आठ-दस साल से सियासत की राह धर्म के रास्ते पर चली गई है। एक दल धर्म के भगवा रंग के सहारे सत्ता पर कब्जा करती जा रही है तो दूसरी इससे बचने की बहुत कोशिश करती रही पर बच नहीं पायी। बात हो रही है मप्र में कांग्रेस के भगवा रंग के प्रेम की। मध्य प्रदेश में इसी साल नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले प्रदेश की सियासत गरमाने लगी है। इस सियासत में धर्म का भी सहारा लिया जा रहा है। रविवार वहीं एक धर्म संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके लिए मुख्यालय को भगवा रंग के झंडों से सजाया गया। इस पर भाजपा और कांग्रेस में जुबानी जंग भी तेज हो गई है।

भाजपा ने कांग्रेस को चुनावी हिंदू बताया। वहीं, पलटवार करते हुए कांग्रेस ने पूछा कि क्या भगवा भाजपा का ट्रेडमार्क है? मध्य प्रदेश की सियासत में धर्म के नाम पर क्या-क्या हो रहा है? कांग्रेस का मंदिर पुजारी प्रकोष्ठ क्या है? राम वन गमन पथ क्या है जिसकी घोषणा कांग्रेस ने पिछले चुनाव में की थी? एमपी में हिंदुत्व के मुद्दे पर कांग्रेसभाजपा की राह पर है।

मध्यप्रदेश में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले नवंबर 2022 में कांग्रेस ने मंदिर पुजारी प्रकोष्ठ बनाया। कहा जा रहा है कि इस प्रकोष्ठ के जरिए कांग्रेस हिंदुत्व की छवि चमकाने की चाहती है। कांग्रेस ने मंदिर पुजारी प्रकोष्ठ का गठन कर शिवनारायण शर्मा को अध्यक्ष बनाया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस प्रकोष्ठ के जरिए पार्टी ब्राह्मण वोटों को साधना चाहती है। इस प्रकोष्ठ के जरिये कांग्रेस मंदिर और पुजारियों के मुद्दे भी उठाना चाहती है। पिछले दिनों रामनवमी के पावन पर्व पर पूर्व सीएम कमलनाथ के बेटे और छिंदवाड़ा सांसद नकुलनाथ भगवामय दिखे थे। इस दिन वो रघुवंशी समाज छिंदवाड़ा द्वारा निकाली गई शोभा यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान कांग्रेस सांसद ने हेलीकॉप्टर से फूल बरसाकर यात्रा का स्वागत किया और भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की पूजा अर्चना की। पिछले साल (अप्रैल 2022 में) भी प्रदेश कांग्रेस ने रामनवमी और हनुमान चालीसा पर अपने कार्यकर्ता, पदाधिकारियों, विधायकों को रामलीला, सुंदरकांड, हनुमान चालीसा का पाठ करने के निर्देश दिए थे। ताकि चुनाव से पहले कांग्रेस जनता के बीच अपनी पैठ को और मजबूत कर सके। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने छिंदवाड़ा में भव्य हनुमान मंदिर बनाया है। यही कारण है कि वह अपने आप को राम भक्त हनुमान का भक्त कहलाना पसंद करते हैं। पांच अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया था। भूमि पूजन से पहले मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अपनी ट्विटर प्रोफाइल पिक्चर बदल ली थी। इस तस्वीर में वे भगवा चोला पहने हुए नजर आ रहे थे। कांग्रेस नेता ने अपनी तस्वीर बदली और लिखा था, श्रीराम के हनुमान करो कल्याण। इसके अलावा उन्होंने भोपाल स्थित अपने आवास में हनुमान चालीसा का पाठ किया था।

राजनीति में धर्मगुरुओं का प्रभाव

मध्यप्रदेश की सियासत में धर्म का तड़का कोई नई बात नहीं है। पिछले चुनाव में जीत के बाद कांग्रेस सरकार ने नर्मदा विकास के लिए समिति बनाकर कंप्यूटर बाबा उर्फ नामदेव दास त्यागी को राज्यमंत्री का दर्जा दिया था। मार्च 2018 में नर्मदा नदी के किनारे पेड़ लगाने में हुए कथित घोटाले को लेकर यात्रा निकाली गई थी, जिसमें शिवराज सरकार ने पौधारोपण को बढ़ावा दिया और एक कमेटी का गठन किया। इस कमेटी में कंप्यूटर बाबा को शामिल किया गया और उन्हें राज्यमंत्री का दर्जा मिला। लेकिन जब सरकार बदली तो कंप्यूटर बाबा ने भाजपा का दामन छोड़ कांग्रेस का हाथ पकड़ लिया। इसके अलावा कंप्यूटर बाबा ने 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा की साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर का विरोध किया था और दिग्विजय सिंह को जिताने के लिए मिर्ची यज्ञ किया था। वहीं, इस चुनाव से पहले प्रदेश की राजनीति में दो धर्मगुरु- धीरेंद्र शास्त्री और कथावाचक प्रदीप मिश्रा केंद्र बने हुए हैं। पिछले कुछ समय में बागेश्वर धाम में भाजपा और कांग्रेस के कई दिग्गज पहुंचे हैं। इसमें भाजपा सांसद मनोज तिवारी,

मध्यप्रदेश भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और खजुराहो सांसद वीडी शर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता अरुण यादव, पूर्व सीएम और पीसीसी चीफ कमलनाथ और गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा आदि शामिल हैं। प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी 18 फरवरी को बागेश्वरधाम पहुंचे। वे वहां आयोजित 121 निर्धन कन्याओं के सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए। माना जा रहा है कि चुनावी साल में बहुसख्यक वोटों को हासिल करने की कोशिश में राजनीतिक दल दरबार में हाजिरी लगा रहे हैं। कथावाचक प्रदीप मिश्रा भी पिछले दिनों चर्चा में रहे हैं। सीहोर जिले में 16 फरवरी से रुद्राक्ष महोत्सव का आयोजन होना था जिसमें पंडित प्रदीप मिश्रा के कुबेश्वर धाम पर होने वाले इस आयोजन में पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा शिव महापुराण कथा भी सुनाई जाने की योजना थी। आयोजन से पहले ही एक दर्जन से अधिक ट्रेनें रद्द कर दी गईं। ट्रेनों के रद्द होने पर सीहोर के विधायक रमेश सक्सेना ने बीजेपी सरकार पर आरोप लगाया था कि बीजेपी सरकार को पंडित प्रदीप मिश्रा से जलन है।

आध्यात्मिक शक्ति भारत की सबसे बडी शक्ति : कमलनाथ

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले रविवार को कांग्रेस ने मुख्यालय को भगवा रंग के झंडों से सजाकर बड़ा संदेश देने की कोशिश की है। दरअसल यहां मंदिर पुजारी प्रकोष्ठ का धर्म संवाद कायक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रदेश भर के मठ, मंदिरों के पुजारी शामिल हुए। इस दौरान प्रकोष्ठ ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ को गदा भेंटकर धर्म संवाद कार्यक्रम में उनका स्वागत किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कमलनाथ ने कहा कि आध्यात्मिक शक्ति भारत की सबसे बड़ी शक्ति है, यही शक्ति समाज के लोगों को जोड़कर रखने का काम करती है। उन्होंने कहा कि उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर के लिए पहल उनकी सरकार ने की थी।

भाजपा-कांग्रेस की है 60 सीटों पर नजर

धार्मिक आयोजनों और धर्म गुरुओं के चक्कर लगाकर दोनों पार्टियां हिन्दू वोटों को साधने की कोशिश में हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि पुजारियों के लिए धर्म संवाद जैसे कार्यक्रम आयोजित कर कांग्रेस प्रदेश में ब्राह्मण वोट को अपनी ओर लाने की कोशिश कर रही है। 2018 विधानसभा चुनाव के आंकड़े के अनुसार प्रदेश में 40 लाख के करीब ब्राह्मण वोटर हैं। यह कुल वोट बैंक का 10 प्रतिशत के करीब है। जो विंध्य, महाकौशल, चंबल और मध्य क्षेत्र की 60 से अधिक सीटों पर सीधा प्रभाव डालते हैं। प्रदेश में आठ महीने बाद चुनाव हैं। ऐसे में यदि ब्राह्मण वोट कांग्रेस की ओर आता है तो पार्टी के लिए 2023 का रास्ता आसान हो जाएगा।

कांग्रेस ने की थी राम वन गमन पथ की घोषणा

मध्यप्रदेश में कांग्रेस धर्म के मुद्दे पर अपनी पैठ बनाने की कोशिश पिछले चुनाव से ही कर रही है। 2018 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने राम वन गमन पथ को अपने वचन पत्र में शामिल किया था। इसमें उन धार्मिक स्थानों को आध्यात्मिक रूप से विकसित करने की योजना है जिन पर वन गमन के समय भगवान राम के चरण पड़े थे। चुनाव के बाद कांग्रेस कमलनाथ सरकार ने कार्ययोजना बनाकर 22 करोड़ रुपए का बजट भी अध्यात्म विभाग को दिया, लेकिन 15 महीने बाद ही सरकार चली गई। शिवराज सरकार बनने के बाद दोबारा राम वन गमन पथ को लेकर काम शुरू किया गया। अब इसका काम अध्यात्म विभाग से लेकर संस्कृति विभाग को सौंपा गया है। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि राम वन पथ गमन को लेकर काम शुरू हो गया है। प्रदेश में विधानसभा चुनाव को आठ माह का समय बचा है। इसके साथ ही फिर भगवान राम सियासत के केंद्र में आ गए है। दोनों ही राजनीतिक पार्टियां हिंदू वोटरों को साधने के लिए धर्म का सहारा ले रही हैं।

भाजपा अक्सर कांग्रेस को चुनावी हिन्दू बताती रही है। वहीं, कांग्रेस पिछले चुनाव से ही भाजपा की पिच पर बैटिंग करने में जुटी है। 2018 चुनाव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के रामभक्त वाले होर्डिंग्स पूरे प्रदेश में दिखे थे। इसके अलावा उन्होंने चित्रकूट में भगवान कामतानाथ के दर्शन किए थे। हाल ही में सम्पन्न भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी राहुल ने उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन किए थे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

फिर ऐसी हिमाकत कब चेतेगा चीन

चीन ने एकबार फिर हिमाकत करते हुए अरुणचल प्रदेश के कुछ गांवों के नाम बदल कर अपने होने के दावा किया है। हालांकि उसकी इस हरकत का जवाब भारत ने तुरंत किया और उसकी लिस्ट को खारिज कर दिया। पर ये एक गंभीर मामला है क्योंकि यह तीसरी बार ऐसा हुआ जब उसने इस तरह की सूची जारी की है। पहले दो बार उसने ऐसा किया तो भारत सरकार ने मामले को संज्ञान में लेकर रफा दफा कर दिया परंतु उसके बाद मोदी सरकार ने मामले को खत्म हुआ समझकर ठंडे बस्ते में डाल दिया। उसने फिर वही हरकत करके दिखा दिया कि वह अपनी नीति पर कायम है। यहां गल्ती भारत की है सरकार जानती है कि चीन अपनी हरकतों से बाज नही आएगा तो मोदी सरकार को इस पर सख्त होना चाहिए था। पर बड़ी-बड़ी बात करके बड़ी घटनाओं को दबाना देशहित में ठीक नही है। ज्ञात हो चीन अपनी चालबाजी से कभी बाज नहीं आता। अब उसने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश 11 स्थानों के नाम बदलने की कोशिश की है। उसने ये नाम चीनी, तिब्बती और पिनयिन भाषाओं में जारी किए हैं। ड्रैगन का ये कदम तब आया है, जब भारत ने हाल ही में सीमावर्ती राज्य अरुणचाल प्रदेश में जी20 कायक्रमों की श्रृंखला के तहत एक अहम बैठक आयोजित की थी।

इस बैठक में चीन शामिल नहीं हुआ था। अब कुछ दिन बाद उसने एक बार फिर भारत को उकसाने की कोशिश की है। चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश के लिए 11 स्थानों के मानकीकृत नाम जारी किए। ड्रैगन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी चीन का हिस्सा बताता है और इसे जांगनान कहता है। सरकार के नियंत्रण वाले अखबार ग्लोबल टाइम्स ने सोमवार को खबर में कहा कि मंत्रालय ने रविवार को 11 स्थानों के आधिकारिक नाम जारी किए हैं। इनमें दो भूमि क्षेत्र, दो रिहायशी इलाके, पांच पर्वत चोटियां और दो नदियां शामिल हैं। यहां तक कि सूची में अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर के करीब एक शहर भी शामिल है। यह पहली बार नहीं है जब चीन ने भारतीय क्षेत्रों के नाम बदलकर इन्हें अपना बताने की कोशिश की हो। चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय द्वारा अरुणाचल प्रदेश के लिए जारी मानकीकृत भौगोलिक नामों की यह तीसरी सूची है। इससे पहले अरुणाचल में छह स्थानों के मानकीकृत नामों का पहला बैच 2017 में जारी किया गया था। यह घोषणा 2017 में दलाई लामा के अरुणाचल दौरे के कुछ दिनों बाद हुई थी। तब चीन ने तिब्बती आध्यात्मिक नेता की यात्रा पर भी आपत्ति जताई थी। वहीं, 15 स्थानों का दूसरा बैच 2021 में जारी किया गया था।

यहां गल्ती भारत की है सरकार जानती है कि चीन अपनी हरकतों से बाज नही आएगा तो मोदी सरकार को इस पर सख्त होना चाहिए था। पर बड़ी-बड़ी बात करके बड़ी घटनाओं को दबाना देशहित में ठीक नही है। ज्ञात हो चीन अपनी चालबाजी से कभी बाज नहीं आता। अब उसने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश 11 स्थानों के नाम बदलने की कोशिश की है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बेरोजगारी दूर करने का दमखम है कृषि में

देविंदर शर्मा

कोरोना महामारी के दौरान जिस तरह देश ने प्रवासी मजदूरों का घर-वापसी पलायन देखा, उसके बाद आई आवधिक श्रमिक बल सर्वे की रिपोर्ट बताती है कि खेत मजदूरों की संख्या में 3 फीसदी का इजाफा हुआ है, यह गिनती वर्ष 2018-19 में 42.5 प्रतिशत से बढ़कर 2021-22 में 45.5 फीसदी हो गई। जिस कृषि क्षेत्र को इन तमाम सालों में जान-बूझकर दीन-हीन बनाकर रखा गया है, वह आज भी 40.66 लाख करोड़ रुपये मूल्य का सकल मूल्य संवर्धन (ग्रॉस वैल्यू एडेड यानी जीवीए) की कूवत रखता है। यह आंकड़ा इस क्षेत्र की मजबूती और लचीलापन दर्शाता है। और कुछ नहीं, अगर कृषि क्षेत्र में सिर्फ मूल्य समानता ही बना दी जाए अर्थात् उच्चतर कीमत की गारंटी, तो कृषि क्षेत्र कहीं ज्यादा बेहतर कर दिखाए, उत्पादन और मूल्य-संवर्धन, दोनों में।

कृषि उत्पाद की कीमतें नीचे रखने की वजह से जाहिर है कृषि क्षेत्र से होने वाली आय कम दिखाई देती है। इस तथ्य को स्वीकार करने की बजाय बड़ी चालाकी से यह दलील देकर आभास दिया जाता है 'चूंकि देश की कुल आय में कृषि क्षेत्र का हिस्सा केवल 19 प्रतिशत है, इसलिए जो बोझ इसको जिलाए रखने में ढोना पड़ रहा है, उसमें खासी कटौती की जानी चाहिए।' विद्रूपता भरी यह दलील पुरानी पड़ चुकी आर्थिक सोच का दोहराव है, जो किसानों को खेती से बाहर धकेलने को आमादा है। मुख्यधारा के अर्थशास्त्री उस वैश्विक आर्थिक साजिश को आगे बढ़ाए रखना जारी रखे हुए हैं जो कृषि की बलि चढ़ाने को आतुर है ताकि आर्थिक सुधारों को व्यवहार्य बनाया जा सके। इसे बदलना ही होगा। आइए पहले ग्रॉस वैल्यू ऑफ आउटपुट (जीवीओ यानी सकल उत्पादन मूल्य) को समझें। अगर किसी वस्तु की औसत कीमत बढ़ती है तो उसकी ग्रॉस वैल्यू (सकल मूल्य) में भी बढ़ोतरी होती है। विकसित देश इस समीकरण का इस्तेमाल करके भारत की ताड़ना करते हैं कि वह विश्व व्यापार संगठन समझौते की शर्तों का उल्लंघन कर रहा है। गेहूं और चावल के न्यूनतम खरीद मूल्य में बढ़ोतरी के साथ, अमीर विकसित देश किसी उत्पाद के कुल मूल्य का निर्धारण उत्पादन को कीमत से गुणा करके निकालते हैं।

फिर इससे यह हिसाब लगाते हैं कि भारत एग्रीगेट मेजरमेंट ऑफ सपोर्ट (सकल माप समर्थन फार्मूले) के तहत 10 प्रतिशत सब्सिडी देने की तयशुदा सीमा से कितना ऊपर जाकर कृषकों को राहत देता है। अन्य शब्दों में, वे यह गणना करते हैं कि भारत उत्पाद के

कुल मूल्य का कितना हिस्सा कृषि क्षेत्र को बतौर सहायता प्रदान करता है। बात यह है कि यदि उत्पादन पहले जितना रहे और कीमत ऊपर उठती है तो उसका जीवीओ भी ऊपर जाएगा। परंतु, क्योंकि हम कृषि उत्पाद की कीमतें कम रखते हैं लिहाजा जीवीओ भी नीचे बना रहता है। वर्तमान में, जिंस की खेत में लगने वाली कीमत सामान्यत: नीचे रहती है, यहां तक कि घोषित किए गए न्यूनतम समर्थन मूल्य से 20-30 से फीसदी कम। गेहूं और चावल, और कुछ हद तक कपास, कुछेक दालों और चंद सब्जियों के अलावा थोक मूल्य नीचे ही रहता है। उत्पाद के सकल मूल्य का निर्धारण चंद मंडियों में लगने वाली तात्कालिक कीमत का औसत निकालकर, फिर इसमें अन्य कुछ खर्च जोड़कर, तय किया जाता है। तार्किक यह है कि अगर बाजार मूल्य बनिस्बत ऊंचा रहे, जो कि घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम न हो, तब जीवीओ भी तुलानात्मक रूप से ऊंचा रहेगा। साल 2014-15 में कर्नाटक सरकार ने किसानों को तुअर दाल पर 450 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस दिया, नतीजतन रिकॉर्ड खरीद हुई। इस प्रक्रिया में, तुअर दाल उत्पादक की आय में 22,500 रुपये की अतिरिक्त वृद्धि हुई। कल्पना करें कि यदि देशभर में तुअर दाल की कीमतों में इतने स्तर की वृद्धि हो जाती तो इस जिंस विशेष की जीवीओ कहीं ज्यादा हो जाती। इसी प्रकार, गेहूं का मौजूदा न्यूनतम खरीद मूल्य, जो कि इस साल 2125 रुपये प्रति क्विंटल है, यदि उसको देशभर में कानूनन गारंटी से लागू कर दिया जाए तो न केवल पंजाब-हरियाणा बल्कि पूरे देश के किसान को उच्चतर मूल्य मिल पाएगा।

इससे गेहूं उत्पादन का जीवीओ खुद-ब-खुद काफी उच्च गिना जाएगा। यदि शेष फसलों की कीमतों में आनुपातिक वृद्धि कर दी जाए तो यही बात उन पर भी लागू होती है। जो अन्य पैमाना अर्थशास्त्री लागू करते हैं, वह है ग्रॉस वैल्यू एडेड यानी जीवीए । जीवीए व जीवीओ के बीच अंतर यह है कि फसल उगाने में आई लागत और कच्चे माल की कीमत को जीवीओ से घटाना पड़ता है। वर्ष 2021-22 के लिए राष्ट्रीय सांख्यिकी विभाग (एनएसओ) ने कृषि, वानिकी एवं मतस्य पालन से हुए जीवीओ की गणना 50.71 लाख करोड़ रुपये की है।

खेल संस्कृति से ही पंजाब का पुनरुत्थान

गुरबचन जगत

जितना ज्यादा मैं पंजाब में इन दिनों घटित हो रहे प्रसंगों को देखता हूं उतना ही यादें अतीत के घरौंदे में प्रवेश करती जा रही हैं। आज मैं खेल मैदानों को देखता हूं तो पाता हूं वे भी बेकार पड़े हैं। मुझे याद आता है वह पंजाब जिसकी कभी हॉकी में सरदारी थी और मुंबई (तत्कालीन बम्बई) में आगा खान हॉकी टूर्नामेंट हुआ करता था। पंजाब पुलिस की हॉकी टीम सदा भाग लेती थी और अक्सर फाइनल मैच तक पहुंचा करती। देश के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्से में बसे पंजाबी मैच देखने को उमड़ते (उस वक्त टेलीविजन नहीं था)। वे साल भर इस आयोजन की बाट बड़े चाव से जोहते थे, क्योंकि पंजाबियों की सरदारी से गर्व जो होता था। फिर कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) में बैटन कप भी हुआ करता था, वहां भी हर ओर से पंजाबी खासी तादाद में पंजाब पुलिस का जौहर देखने पहुंचते। जालंधर के नजदीक स्थित संसारपुर गांव ने अकेले ही देश को 14 ओलम्पिक खिलाड़ी दिये।

बलबीर सिंह सीनियर, उधम सिंह और अजीतपाल सिंह भारतीय हॉकी की किंवदंती सरीखे नाम बन गए थे और उन्होंने भारत के लिए बहुत यश कमाया। आजादी उपरांत देश ने लगातार तीन ओलम्पिक खेलों में स्वर्ण पदक जीता (1948, 1952 और 1956), इसके अलावा 1975 में विश्व कप में विजय प्राप्त की। आज भी, भारतीय हॉकी टीम में पंजाबी खासी संख्या में हैं, लेकिन शेष भारत के साथ पंजाब में भी अब हॉकी अपने पुराने जलवे का क्षीण अक्स भर है। जिस खेल ने बतौर राष्ट्रीय खेल, हॉकी की जगह ले ली, वह नि:संदेह क्रिकेट है। दूसरे सूबों के मुकाबले पंजाबी युवा इस खेल की ओर ज्यादा आकर्षित नहीं हो पाये। हरभजन सिंह, युवराज सिंह, अर्शदीप सिंह और शुभमन गिल अपवाद हैं। रोचक तथ्य यह है कि एमएस धोनी, हार्दिक पंड्या, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ी मुम्बई, कोलकाता या दिल्ली जैसे महानगरों की बजाय दूरस्थ छोटे शहरों-कस्बों से हैं। कस्बई लड़कों में सफलता, शान और उसके साथ पुरस्कार पाने की ललक होती है और इस सफलता की प्राप्ति के लिए वे जीवट, दृढ़ निश्चय और कूवत भी रखते हैं।

पंजाब ने कभी महान पहलवान पैदा किए थे- अमृतसर जिले के जब्बोवाल का गामा पहलवान जो रुस्तम-ए-हिंद के तौर पर प्रसिद्ध था, फिर दारा सिंह (वह भी रुस्तम-ए-हिंद था), करतार सिंह (एशियन खेलों में स्वर्ण पदक विजेता)। कुश्ती का पंजाब के गांवों में एक शानदार रुतबा था। ग्रामीण पंजाब में खेल आयोजनों की महान रिवायत थी जो सांस्कृतिक महोत्सवों की तरह हुआ करते थे। कुश्ती के मुकाबलों को 'छिंज' कहा जाता था, जिसमें आसपास से पहलवान हिस्सा लेने आते, उसे देखने भारी संख्या में आसपास के लोग जुटते। कबड्डी के मैच गांवों की टीमों के बीच हुए करते, उन्हें देखने भी भारी भीड़ उमड़ती और अग्रणी खिलाड़ियों का नाम बच्चे-बच्चे की जुबान पर होता। फिर गतका और भारोत्तोलन जैसे रिवायती खेल भी थे- भारी पत्थर या रेत भरे बोरे उठाए जाते। किला रायपुर खेल उत्सव, जिसकी शुरुआत ग्रेवाल खेल संघ ने 90 साल पहले की थी, ग्रामीण जिंदगी के इस शानदार पहलू का प्रतिनिधित्व करते हैं। स्कूलों और कॉलेजों के विकास के साथ ये संस्थान खिलाड़ियों की नर्सरी बन गए। मुझे आज भी जालंधर के डीएवी कॉलेज और अमृतसर के खालसा कॉलेज के बीच होने वाली कांटे की टक्करें याद हैं, राज्य में इन आयोजनों की तिथियों का इंतजार रहता था और हजारों छात्र मुकाबला देखने उमड़ते।

पंजाब पुलिस की टीम के अलावा जालंधर के उद्योगपति द्वारका दास सहगल के संरक्षण में लीडर क्लब और फगवाड़ा के समीर थापर की सरपरस्ती वाले जेसीटी क्लब बनने के साथ फुटबाल के खेल ने सूबे में कुछ समय के लिए जोर पकड़ा था। इस काल ने जरनैल सिंह, इंदर सिंह और सुखविंदर जैसे राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दिए। ईस्ट बंगाल और मोहन बागान जैसे क्लब बढ़िया खिलाड़ियों की तलाश में पंजाब आया करते थे। एथलेटिक्स में भी पंजाब का प्रदर्शन बहुत बढ़िया था। जब एशियन खेलों में अजमेर सिंह (400 मी.), प्रदुम्मन सिंह (शॉटपुट एवं डिस्कस थ्रो), गुरबचन सिंह (डिकेथ्लन) और फिर विख्यात 'फ्लाइंग सिख' मिल्खा सिंह (400 मी.और 200 मी.) तो थे ही- लेकिन आज पंजाब कहां है? जिस एक खेल में पंजाब ने व्यक्तिगत स्पर्धा में ओलम्पिक मेडल जीता है, वह है शूटिंग में अभिनव बिंद्रा। इसके अलावा गोल्फ में जीव मिल्खा सिंह ने कई यूरोपियन और एशियन सर्किट की मुख्य ट्रॉफियां हासिल करके देश का नाम रोशन किया है। पंजाब राज्य ने विशेष स्पोर्ट्स स्कूल एवं स्पोर्ट्स कॉलेज के रूप में विस्तृत खेलकूद प्रोत्साहन तंत्र स्थापित तो कर रखा है। परंतु इन्होंने पैदा क्या किया? प्रशिक्षकों की फौज ने क्या दिया?

हरियाणा ने चोटी के पहलवान, बॉक्सर और यहां तक कि एथलीट दिए हैं। हरियाणा और दिल्ली के अखाड़ों में हरियाणवी छोरे-छोरियों ने खूब मशक्कत करके राष्ट्रीय और अतंर्राष्ट्रीय यश हासिल किया है। हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र, केरल और उत्तर-पूरबी राज्यों के बॉक्सिंग रिंग्स, एथलेटिक्स ट्रैक्स और स्टेडियम गतिविधियों से परिपूर्ण हैं। मुझे इम्फाल का स्टेडियम याद आ रहा है, जहां हर दिन सुबह-सवेरे दो-तीन हजार लड़के-लड़कियां प्रशिक्षण के लिए आते थे। हर साल, अमेरिका से आये प्रशिक्षक बेसबॉल और बास्केटबॉल के दांव-पेच सिखाते थे। इसका परिणाम है, बॉक्सिंग और भारोत्तोलन में जीते अनेकानेक पदक और राष्ट्रीय स्तर पर चमकते सूबे के फुटबॉल खिलाड़ी।

बच्चे का मन शांत रखते हैं ये फूड्स

बच्चे नादान और मासूम होते हैं और उन्हें सही और गलत के बीच फर्क पता नहीं होता है। जब उन्हें कोई चीज चाहिए होती है या पसंद होती है, तो बस बेवजह वो उसे पाने की जिद करते हैं। अपनी बात मनवाने के लिए बच्चे रोने लगते हैं या यूं कहें कि टैंट्रम दिखाने लगते हैं। कुछ फूड्स ऐसे होते हैं जो इस स्थिति में बच्चे को और ज्यादा चिड़चिड़ा कर सकते हैं जबकि कुछ फूड्स बच्चे को शांत करने का काम भी करते हैं। यहां हम आपको बता रहे हैं कि बच्चे के टैंट्रम को शांत करने के लिए आप उसे क्या खिला सकते हैं।

सब्जियां

ताजी सब्जियों का बच्चों पर शांत प्रभाव पड़ता है। शतावरी, पार्सले, शिमला मिर्च, गाजर, पालक और फूलगोभी, ब्रोकली, केल और पत्तागोभी जैसी क्रूसिफेरस सब्जियां आपके बच्चे के आहार में शामिल करने के लिए शानदार विकल्प हैं।

सैल्मन

ओमेगा -3 फैटी एसिड का एक और बड़ा स्रोत, सैल्मन भी मस्तिष्क की शक्ति को बढ़ाने और बच्चे में एकाग्रता बनाने में सहायता करता है। ऐसी फैटी फिश मूड को भी स्थिर करती हैं।

फल

बच्चों में टैंट्रम को शांत करने की कोशिश करने पर आप उन्हें फल भी खिला सकते हैं, क्योंकि वे स्वस्थ तरीके से मीठे की क्रेविंग को पूरा करते हैं। अपने बच्चे के व्यवहार को संयमित करने के लिए फल चुनते समय जामुन, आड़ू, एवोकाडो और संतरे को चुनें। एवोकाडो और संतरे रक्तचाप को कम करने में मदद करते हैं। ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी और रसभरी में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो स्ट्रेस हार्मोन को दूर रखते हैं। दूसरी ओर आड़ू मन और मांसपेशियों को शांत करने और चिंता को कम करने के लिए एक प्राकृतिक शामक के रूप में कार्य करता है।

डार्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट कोर्टिसोल के स्तर को कम करने में मदद करने के लिए जानी जाती है। इससे बच्चों को एनर्जी भी मिल सकती है। यह एपिनेफ्रीन और नॉरपेनेफ्रिन जैसे चिंता पैदा करने वाले हार्मोन को भी कम करता है। 2 सप्ताह की अवधि के दौरान रोजाना 40 ग्राम डार्क और मिल्क चॉकलेट का सेवन करने से तनाव को कम करने में काफी मदद मिली।

नट्स

अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे के नखरे कम हों तो अलग-अलग तरह के मेवे लें। बादाम, विशेष रूप से, तनाव को कम करने में मदद करते हैं, जबकि अखरोट, जो ओमेगा -3 फैटी एसिड का एक बड़ा स्रोत है, एकाग्रता बढ़ाने में मदद करते हैं। सप्ताह में एक बार इन मेवों में से किसी एक का द कप की मात्रा बच्चे को खाने को दें। यह बच्चे की मन की स्थिति के लिए अद्भुत काम कर सकते हैं। बादाम ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मदद करते हैं।

साबुत अनाज

रिफाइंड अनाज की जगह साबुत अनाज की ब्रेड, सीरियल और चावल खाएं। साबुत अनाज में मौजूद विटामिन बी बच्चे के शांत व्यवहार पर सीधा प्रभाव डालता है। दलिया मस्तिष्क को सेरोटोनिन नामक एक आराम देने वाले रसायन के उत्पादन में सहायता करता है।

हंसना मना है

गोलू बड़ा परेशान बैठा था। भोलू- क्या हुआ यारा। गोलू क्या बताऊं आज टीचर कह रही थी...जिंदगी चार दिन की है। लेकिन मैंने रिचार्ज तो 84 दिन का करवा लिया।

बंटू : वेटर, ऐसी चाय पिलाओ जिसे पीकर मन झूम उठे और बदन नाचने लगे, वेटर: सर हमारे यहां भैंस का दूध आता है, नागिन का नहीं।

संजू: पंडित जी , किसी सुंदर लड़की का हाथ पाने के लिए क्या करूं? पंडित जी: किसी मॉल के बाहर मेहंदी लगाने का काम शुरू कर दें।

गर्मी का कहर शुरू, एक औरत अकेले कब्रिस्तान मे एक कब्र पर बैठी थी। एक राहगीर ने पूछा: डर नहीं लगता? औरत: इसमें डरने की क्या बात है, अंदर गर्मी लग रही थी तो बाहर आ गई। राहगीर अब कौमा में है।

कहानी — खुशबू की कीमत

एक भिखारी नंदा नगरी में खाने के लिए कुछ मांग रहा था। तभी उसे एक व्यक्ति कुछ रोटियां दे देता है। अब भिखारी रोटी के लिए सब्जी की तलाश में पास के ही एक पंडाल में पहुंचता है। वहां भिखारी रोटी के लिए पंडाल के मालिक से थोड़ी-सी सब्जी मांगता है। भिखारी को देखते ही पंडाल का मालिक उसे भगा देता है। दुखी भिखारी किसी तरह मालिक की नजरों से बचते हुए पंडाल की रसोई में पहुंच जाता है। वहां उसे कई तरह की लजीज सब्जियां दिखती हैं। गर्म-गर्म सब्जियों से भाप निकल रही थी। भिखारी के मन में हुआ कि अगर रोटियों को इस भाप के ऊपर रख दिया जाए, तो सब्जी की खुशबू उनमें मिल जाएगी। और सब्जी की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। भिखारी रोटी पर सब्जी डालने की जगह, उन्हें सब्जी से निकलने वाले भाप के ऊपर रख देता है। तभी पंडाल का मालिक भिखारी को सब्जी चोरी करने के लिए पकड़ लेता है। भिखारी उससे कहता है कि मैंने सब्जी नहीं चुराई है। मैं सिर्फ सब्जी की खुशबू ले रहा था। मालिक कहता है कि अगर सिर्फ खुशबू ली है, तो उसकी भी कीमत चुकानी होगी। भिखारी कहता है, मालिक मेरे पास कुछ भी नहीं है, मैं कैसे कीमत चूकाऊं। मालिक उसे मुल्ला नसरुद्दीन के दरबार ले जाता है। नसरुद्दीन मालिक और भिखारी की बातों को सुनते हैं। मुल्ला कुछ देर सोचकर पंडाल मालिक से कहते हैं कि तुम्हें अपनी सब्जी की खुशबू के बदले पैसे चाहिए। जी हां। फिर मुल्ला मालिक से कहते हैं, तुम्हारी सब्जी की खुशबू की कीमत मैं स्वयं दूंगा। मालिक खुश हो जाता है। फिर नसरुद्दीन उसे बताते हैं, देखो, मैं तुम्हारी सब्जी की खुशबू की कीमत सिक्कों की खनक से अदा करूंगा। मुल्ला अपनी जेब से कुछ सिक्के निकालते हैं और उन्हें खनखनाने लगते हैं। फिर उन सिक्कों को दोबारा जेब में डाल लेते हैं। यह सब देखकर पंडाल मालिक हैरान हो जाता है। वह मुल्ला से कहता है कि यह उन्होंने कैसी कीमत अदा की है। जवाब में मुल्ला कहते हैं, तुम्हारी सब्जी की खुशबू इस भिखारी ने ली थी। इसी वजह से मैंने तुम्हें सिक्कों की खनक सुनाई है। अगर भिखारी ने सब्जी ली होती, तो तुम्हें सिक्के जरूर मिलते। मुल्ला का जवाब सुनकर पंडाल मालिक वहां से चला जाता है। भिखारी भी खुशी-खुशी अपने रास्ते निकल जाता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज का दिन आपके लिए अच्छा है। छोटे और सरल कामों से शुरूआत करेंगे, तो ज्यादा सफलता मिल जाएगी। प्रॉपर्टी का कोई मसला आपके पक्ष में सुलझ जाने की संभावना है।

वृषभ आपके लिए आज का दिन थोड़ा कमजोर रहेगा। मानसिक रूप से चिंताओं में घिरे रहेंगे तथा खर्चों में बढ़ोतरी होगी लेकिन इनकम भी होगी।

मिथुन आज कार्यक्षेत्र में आपकी सफलता सुनिश्चित होगी। पारिवारिक काम को पूरा करने में आज आप सफल रहेंगे। दोस्तों के साथ फोन पर बात होगी।

कर्क पारिवारिक जीवन में उतार-चढ़ाव होने से थोड़ा तनाव महसूस करेंगे। कठिन समय के बाद आखिरकार आप अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ आराम कर सकते हैं।

सिंह आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं लेकिन सावधानी बहुत आवश्यक है क्योंकि शारीरिक परेशानियां हो सकती हैं।

कन्या आज आपका कोई खास काम समय पर पूरा हो जायेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से आज आप एनर्जेटिक रहेंगे। किसी करीबी मित्र से फ़ोन पर लम्बी बात होगी।

तुला आज आप प्रसन्न बने रहें और ज्यादा तनाव न लें। परिश्रम के अपेक्षानुसार पद में उन्नति होगी। आज नियमित जीवनचर्या एवं संयमित खानपान में कोताही न बरतें।

वृश्चिक आपके लिए आज का दिन कमजोर रहेगा। खर्चे बढ़ेंगे और सेहत भी थोड़ी नाजुक रहेगी। मानसिक तनाव आपको परेशान करेगा, जिससे कामों में रुकावट आ सकती है।

धनु आज आपका सोचा हुआ काम पूरा हो जाएगा। आर्थिक पक्ष काफी मजबूत रहेगा। अपने कार्यक्षेत्र को बढ़ाने के लिए किसी मित्र से आर्थिक मदद मिल सकती है।

मकर आज किसी भी संपत्ति के सौदे को अंतिम रूप देने से पहले सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। आर्थिक लाभ की संभावनाएं हैं।

कुम्भ आपके लिए आज का दिन थोड़ा कमजोर रहेगा। सेहत कमजोर बनी रहेगी, जिससे आप परेशानी महसूस करेंगे। भाग्य की बदौलत आपके अनेक काम बनेंगे।

मीन आज किसी दूसरे का उत्साह देखकर आप उत्साहित होंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स किसी नये कोर्स में एडमिशन लेना का मन बनायेंगे। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

रियल लाइफ से अगल होते हैं एक्शन सीन्स : राहुल देव

राहुल देव बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री की फिल्मों में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेर चुके हैं। हाल ही में वह सारा अली खान की फिल्म गैसलाइट में नजर आए, जिसे ओटीटी प्लेटफॉर्म हॉटस्टार पर रिलीज किया गया है। गैसलाइट में राहुल देव की भूमिका और अदाकारी को दर्शकों ने सराहा। इस बीच अब हाल ही में दिए इंटरव्यू के दौरान राहुल ने साउथ और बॉलीवुड फिल्मों की तुलना की है। साउथ फिल्मों के बारे में बात करते हुए राहुल देव ने कहा कि साउथ की फिल्मों को 70 और 80 के दशक के तर्ज पर ही बनाया जा रहा है। इन फिल्मों में लगभग एक ही तरह की कहानियों पर बात की जाती है। उनके डायलॉग्स भी जीवन से बड़े होते हैं। ऐसी फिल्मों में एक्टर्स का एक्शन सीक्वेंस देखने में मजा आता है, जो रियल लाइफ से एकदम अलग होते हैं। साउथ इंडस्ट्री के पास कहानी सुनाने का एक तरीका है और लोग इसे समझते हैं। एक ही तरह की कहानी होने के बावजूद साउथ की फिल्में अच्छा प्रदर्शन करती हैं, क्योंकि फिल्म की कहानी इस तरह से बयां की जाती है कि दर्शक मोहित हो जाते हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि मेरे पास भी ऐसे रोल आएंगे। इसके अलावा राहुल देव ने बॉलीवुड में अपने करियर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड में दमदार पर्सनालिटी और अच्छी एक्टिंग स्किल होने के बाद भी उन्हें अच्छे रोल नहीं मिले। बॉलीवुड ने उन्हें कम आंका और उन्हें अच्छी भूमिकाएं निभाने के लिए नहीं दीं। अभिनेता ने कहा कि उन्हें बॉलीवुड में और भी अच्छे रोल मिल सकते थे क्योंकि वह डिजर्व करते हैं। राहुल ने अपने अभिनय करियर के बारे में बात करते हुए कहा कि आज के दौर में स्किल के हिसाब से ओटीटी पर अच्छी फिल्में और वेब सीरीज बन रही हैं। मैं एक एजुकेटेड फैमिली से हूं और चीजों को समझता हूं तो जब भी मुझे ऐसी कोई फिल्में देखनी होती हैं तो मैं ऐसे में अपने दिमाग को साइड में रख देता हूं।

मेरा करियर आरजीवी सर की देन : मनोज

अपने दमदार अभिनय के दम पर बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता मनोज बाजपेयी की काफी बड़ी फैन फॉलोइंग है। उन्होंने सत्या, अक्स, अलीगढ़ जैसी शानदार फिल्में बॉलीवुड को दीं। अभिनेता को आखिरी बार शर्मिला टैगोर के साथ गुलमोहर में देखा गया था जो हाल ही में ओटीटी पर रिलीज हुई थी। एक हालिया इंटरव्यू के दौरान मनोज ने माना कि उनका करियर राम गोपाल वर्मा की देन है।

बाजपेयी ने राम गोपाल वर्मा के साथ कई फिल्में की हैं और हाल ही में एक साक्षात्कार में उन्होंने स्वीकार किया कि उनके करियर का श्रेय आरजीवी को जाता है। मनोज और राम गोपाल वर्मा ने सत्या, कौन, शूल जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। उन्होंने सत्या के लिए बेस्ट एक्टर इन ए सपोर्टिंग रोल के लिए अपना पहला राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीता था।

मीडिया के दिए एक इंटरव्यू के दौरान मनोज बाजपेयी ने बताया कि कैसे राम गोपाल वर्मा की वजह से उनके करियर को रफ्तार मिली और आज भी दोनों एक दूसरे के संपर्क में हैं। मनोज ने बताया कि दोनों के बीच कम ही बात होती है और अभी तो राम गोपाल वर्मा उन्हें सिर्फ गाली देने के लिए फोन मिला लेते हैं। दोनों के बीच अच्छा रिश्ता है।

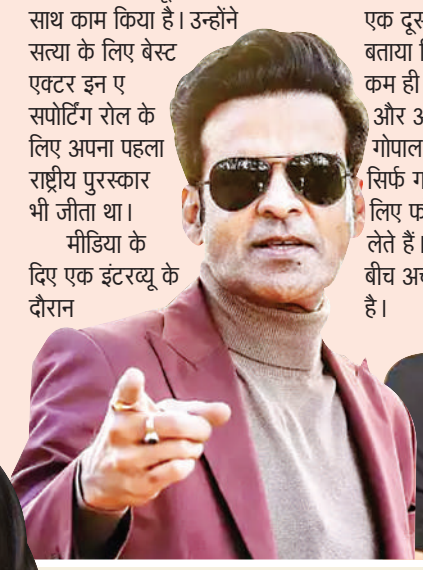

हाल ही में प्रतिष्ठित गीत सपने में मिलती है का रीमेक बनाया गया था और इसमें मनोज को एक कैमियो में भी दिखाया गया था। इस गाने में ध्वनि भानुशाली और अभिमन्यु दासानी ने अभिनय किया था। मनोज ने हंसते हुए कहा कि कभी-कभी आप दोस्तों के लिए कुछ अच्छे भाव से करते हैं और इसलिए उन्होंने वह गाना किया लेकिन आरजीवी ने उन्हें बुलाया और इसके लिए डांटा।

बता दें कि राम गोपाल वर्मा हाल ही में चर्चा का विषय रहे हैं। एमएम कीरावनी ने ऑस्कर जीतने के बाद राम गोपाल वर्मा को ब्रेक देने का श्रेय दिया था।

पहली बार महिला केंद्रित फिल्म रेनबो में नजर आएंगी रश्मिका

रश्मिका मंदाना की अगली फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब अभिनेत्री ने फैंस के साथ खुशखबरी साझा की है। पुष्पा : द राइज, वरिसु, डियर कॉमरेड और गुडबाय जैसी विभिन्न फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा बिखेरने के बाद अब रश्मिका ने अपनी नई फिल्म की घोषणा की है, जिसका शीर्षक है रेनबो। यह रश्मिका की पहली महिला केंद्रित फिल्म होगी। इस खबर के बाद से अब रश्मिका के फैंस बहुत खुश नजर आ रहे हैं।

बॉलीवुड | मसाला

दरअसल, सोमवार को रश्मिका मंदाना ने अपनी नई फिल्म रेनबो का पोस्टर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, रेनबो जीवन के विभिन्न रंग। यह मेरे लिए बेहद खास है। मुझे उम्मीद है कि मुझे आप सभी का आशीर्वाद और प्यार मिलेगा। मैं वास्तव में आशा और प्रार्थना करती हूं कि यह मेरा अगला पसंदीदा चरित्र बने।

रिपोर्ट्स के अनुसार सोमवार को हैदराबाद में एक पूजा समारोह के बाद फिल्म रेनबो को आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया गया। इस दौरान रश्मिका मंदाना गुलाबी सूट में बला की खूबसूरत लग रही थीं और अभिनेता देव मोहन पूजा समारोह में पारंपरिक पीले कुर्ते में नजर आए। खबर है कि फिल्म रेनबो की शूटिंग सात अप्रैल से शुरू होगी।

रोमांटिक ड्रामा है और इसका निर्माण ड्रीम वॉरियर्स पिक्चर्स ने किया है। फिल्म में रश्मिका मंदाना के साथ देव मोहन भी अहम भूमिका में हैं। रश्मिका ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में फिल्म के बारे में बात की। अभिनेत्री ने कहा, यह पहली बार है, जब मैं किसी महिला केंद्रित फिल्म में अभिनय कर रही हूं, जहां कहानी को एक लड़की के नजरिए से शूट किया गया है। मैं इस किरदार को जीवंत करने के लिए उत्साहित हूं। फिल्म मनोरंजक और रोमांचक है। फिल्म एक क्रेजी राइड होगी, इसलिए कमर कस लीजिए।

अजब-गजब | यूनाइटेड किंगडम में है दुनिया का अनोखा गांव

यहां घर के बाहर नहीं खेलते बच्चे

दुनिया में कई ऐसी अजीबोगरीब जगहें हैं जिनके बारे में जानकर हैरान होती है। एक ऐसी ही जगह है, जहां बच्चों को घर के बाहर खेलने की इजाजत नहीं है। यहां पर माता-पिता अपने बच्चों को घर के अंदर ही रखते हैं। यह अनोखी जगह यूनाइटेड किंगडम में है, जो नॉरविच में एक गांव है। इस गांव में बच्चों को बाहर खेलने के लिए नहीं जाने दिया जाता है। आपके मन में सवाल खड़ा हो रहा होगा कि लोग अपनों बच्चों को बाहर क्यों नहीं जाने देते हैं?

माता-पिता के मन में हमेशा डर रहता है कि उनके बच्चे अगर बाहर गए, तो लौटकर वापस आएंगे या नहीं। यह गांव एक ऐसी जगह पर बसा है, जो बिल्कुल असुरक्षित है। यहां पर बच्चों के धरती के अंदर समाने का डर लगा रहता है। नॉरविच में स्थित अनोखे गांव का नाम थोर्प हैमलेट है। यहां पर बच्चों के बाहर जाने पर खतरा रहता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार को इलाके की सुरक्षा के लिए कदम उठाने चाहिए। इस गांव में घर के बाहर सड़कों पर बहुत ज्यादा सिंकहोल (गड्ढे) बन चुके हैं जिसके अंदर कब कौन चला जाए कहा नहीं जा सकता है। इसकी वजह से ही

लोग अपने बच्चों को घर के बाहर नहीं जाने देते हैं। लोगों का कहना है कि सड़क पर लगातार सिंकहोल बढ़ते जा रहे हैं और किसी वक्त उनका घर भी उनके अंदर समा सकता है। इसकी वजह से लोग घर के बाहर निकलने में डरते हैं। उनके बगीचे का एक पेड़ अचानक गायब हो गया, तब लोगों को पहली बार सिंकहोल के बारे में पता चला। गांव में प्रशासन ने इस तरह के गड्ढों के किनारे तार से घेरा कर रखा है। हालांकि वहां के लोगों का कहना है कि प्रशासन को और भी उपाय करने की जरूरत है। कुछ दिनों पहले यहां पर एक 12 फीट गड्ढा हो गया था जिसके बाद गांव वालों के मन में और भी अधिक डर हो गया है। लोगों को कहना है कि अगर गांव में ऐसे ही गड्ढे बनते रहे, तो इसकी वजह से उनकी बसी-बसाई जिंदगी खत्म हो सकती है। इस गांव के लोगों के लिए अचानक बनने वाले गड्ढे खतरा बन चुके हैं।

यात्रियों की इस गलती से रेलवे की तिजोरी में जमा हो गए 70 करोड़ रुपये

बिना टिकट रेल में यात्रा करना लोगों को काफी महंगा पड़ रहा है, वित्तीय वर्ष 2022-23 में रेलवे के आंकड़ों से यही पता चलता है। आपको बता दें बिना टिकट रेल में यात्रा करने वाले यात्रियों से रेलवे ने इतनी बड़ी संख्या में जुर्माना वसूला है कि आप सुनकर दंग रह जाएंगे। दरअसल, पूर्वी उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के रेल प्रबंधक आदित्य कुमार और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अंबर प्रताप सिंह के नेतृत्व में वित्तीय वर्ष 2022-23 में लखनऊ मंडल के अलग अलग स्टेशनों पर बिना टिकट और अनियमित यात्रियों के खिलाफ अभियान चलाया गया। टिकट जांच अभियानों के तहत जुर्माने के रूप में लगभग 70.29 करोड़ रुपये रेल राजस्व हासिल किया है। जो कि गत वर्ष के रेल राजस्व उनसठ करोड़ चौरासी लाख की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है। यह संभव हुआ 11 टिकट चेकिंग स्टाफ की वज़ह से, जिसमें दो कर्मचारी रिजवान उल्लाह और जगप्रीत सिंह जैसे टीटीआई शामिल हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अंबर प्रताप सिंह ने बताया कि बिना टिकट रेल में यात्रा करना अपराध है। ऐसे में टिकट जांच अभियान के तहत ही इतनी बड़ी संख्या में जुर्माना वसूला गया है। इस तरह के अभियान लगातार रेलवे की ओर से चलते रहते हैं। बताया कि गोरखपुर ने दो करोड़ से ज्यादा रेल राजस्व वसूला है। इसमें लखनऊ जंक्शन भी पीछे नहीं रहा है, क्योंकि यहां कर्मचारियों में महिला टिकट जांच कर्मी पूजा टीटीआई हैं। आगे बताया कि एक करोड़ से अधिक का रेल राजस्व वसूला है। इससे रेलवे को काफी बड़ा फायदा हुआ। इससे पता चलता है कि रेलवे की ओर से चलाए जा रहे अभियान सफल हो रहे हैं। यात्रियों से अक्सर निवेदन किया जाता है कि बिना टिकट रेल में यात्रा न करें। इसके बावजूद लोग नहीं मानते हैं। ऐसे में जुर्माना लगाकर उन्हें सबक सिखाया जाता है ताकि अगली बार वो ऐसा बिल्कुल भी न करें।

एकबार फिर सामाजिक आंदोलन की जरूरत : अखिलेश

» भाजपा खत्म करना चाहती है आरक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा है कि आज एक बार फिर सामाजिक आंदोलन की जरूरत है। ज्ञात हो समाजवादी पार्टी मिशन कांशीराम के जरिए सियासी समीकरण साधने की तैयारी में है। इसका स्वरूप सामाजिक आंदोलन का होगा, लेकिन मकसद 2024 फतह है। इस आंदोलन को मिशन कांशीराम नाम दिया गया है। इसका संचालन कांशीराम की प्रयोगशाला से निकलने वाले नेता करेंगे। वे विभिन्न जिलों में दलित आबादी के बीच जाएंगे।

दलितों और अति पिछड़ों को संविधान पर खतरा मंडराता बताएंगे। उन्हें जातीय जनगणना की जरूरत और कांशीराम के विभिन्न अवसरों पर दिए गए संदेश से वाकिफ कराएंगे। इसकी शुरुआत रायबरेली में कांशीराम की प्रतिमा अनावरण समारोह से हो गई है। रायबरेली में आयोजित कांशीराम प्रतिमा अनावरण समारोह में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सधे अंदाज में बार-बार सामाजिक आंदोलन की जरूरत बताई। क्योंकि उन्हें पता है कि कांशीराम ने अपना मिशन सामाजिक आंदोलन के जरिए आगे बढ़ाया था। इतना ही नहीं उन्होंने इटावा से कांशीराम को लोकसभा में भेजने का जिक्र अनायास ही नहीं किया, बल्कि इसके पीछे सियासी निहितार्थ हैं। उनका यह कहना कि सामाजिक न्याय के आंदोलन को समाजिक परिवर्तन के पड़ाव से आगे ले जाकर हर गरीब, दलित, पिछड़े एवं अल्पसंख्यक को उसके हक की मंजिल तक पहुंचाना है, यही हमारा लक्ष्य है।

निराला को पाठ्यक्रम से हटाने पर स्पष्टीकरण दे सरकार

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एनसीईआरटी पाठ्यक्रम से सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की रचना हटाने पर सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है। मांग की है कि प्रदेश के अन्य कवियों की हटाई गई रचना को शामिल किया जाए। सपा अध्यक्ष ने भाजपा पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया कि राम की शक्तिपूजा' जैसी कालजयी रचना के लेखक सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की एक रचना को एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम से हटाया जाना अत्यंत आपत्तिजनक है। भाजपा सरकार स्पष्टीकरण दे और तुरंत उत्तर प्रदेश के अन्य कवियों की भी हटाई गई रचनाओं को फिर से शामिल करवाए। इसी तरह सपा अध्यक्ष ने एक अन्य ट्वीट करके एनकाउंटर पर सवाल उठाया है। उन्होंने ट्वीट किया कि आगरा में कुछ बड़े कार्यवाहक अधिकारियों के इशारों पर हुए फ़र्ज़ी एनकाउंटर की न्यायिक जांच हो। मृतक आकाश गुर्जर के पीड़ित परिवार को कम से कम एक करोड़ रूपये की राशि दी जाए। भाजपा सरकार उत्तर प्रदेश को फ़र्ज़ी एनकाउंटर स्टेट न बनाए।

इन मुद्दों पर चलेगा आंदोलन

सूत्रों का कहना है कि सपा नेताओं की ओर से चलने वाले मिशन कांशीराम में भाजपा सरकार पर दलितों, पिछड़ों एवं आदिवासियों के आरक्षण खत्म करने, संविधान के साथ खिड़वाड़ करने के आरोप लगाए जाएंगे। यह भी समझाया जाएगा कि जातीय जनगणना की जरूरत क्यों है? सरकार इससे पीछे हट रही है, इसकी भी वजह बताई जाएगी। इस तरह दलितों को सपा से जोड़ने की भरसक कोशिश की जाएगी। जनसभाओं में कांशीराम के विभिन्न अवसर पर दिए गए भाषणों को संक्षेप में सुनाया जाएगा।

झलकारी बाई को दी श्रद्धांजलि

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी झलकारी बाई के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की विश्वस्त सेनानी झलकारी बाई की भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम-1857 में प्रमुख भूमिका थी। वे झांसी की नियमित सेना की महिला शाखा दुर्गा दल की सेनापति थी।

नोएडा के यू-टर्न पर अखिलेश का निशाना

नोएडा। नोएडा सेक्टर 67-70 के बीच बने यू-टर्न की चर्चा सोशल मीडिया पर सियासी टकराव तक पहुंच गई है। नोएडा अथॉरिटी की सीईओ की तरफ से 1 अप्रैल को किए गए इस यू-टर्न को लेकर ट्वीट का विडियो निकाल पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने सवाल दागे हैं। सीईओ नोएडा अथॉरिटी के ट्विटर हैंडल से 1 अप्रैल की सुबह 10 बजकर 42 मिनट पर सेक्टर-66-70 यूटर्न बनकर वाहनों के खोलने की जानकारी एक विडियो के साथ दी गई। यह भी बताया गया कि 99 लाख 71 हजार रुपये की प्रॉजेक्ट लागत में इस यू-टर्न का निर्माण करवाया गया। इसके बाद बहुत से लोग यह सवाल उठाने लगे कि 1 यू-टर्न की निर्माण पर 1 करोड़ रुपये कैसे खर्च हो गए। सोशल मीडिया पर 1 करोड़ रुपये का यू-टर्न चर्चा में आ गया। अथॉरिटी अधिकारियों का पक्ष था कि प्रॉजेक्ट 99 लाख 71 हजार रुपये का है जिसमें 4 यू-टर्न, 100 मीटर सड़क चौड़ीकरण, फुटपाथ बिछाने और 1200 मीटर फुटपाथ टाइलिंग का भी काम शामिल है। इसे बाद में सीईओ के ट्विटर हैंडल से पुराने ट्विट पर स्पष्ट भी किया गया, लेकिन ट्विट का आधा कंटेंट ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

उल्टा लटकाए बिना भी बिहार में शांति : विजय चौधरी

» मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास मॉडल से जनता पूरी तरह परिचित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। गृह मंत्री अमित शाह के बयान के बाद बिहार में सियासत तेज हो गई है। महागठबंधन ने कई नेता अमित शाह के दंगाइयों को उल्टा लटकाकर सीधा करेंगे वाले बयान से नाराज दिखे। बिहार के वित्त मंत्री विजय चौधरी ने अमित शाह के इस बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि गृहमंत्री ने दंगाइयों को उल्टा लटकाने की बात करके लोगों की संकीर्ण भावना का शोषण करना चाहा है।

सुशासन मॉडल से भाजपा अच्छी तरह परिचित है। भाजपा साथ थी तो उसके नेताओं ने देखा है कि दंगाइयों को उल्टा लटकाए बगैर भी राज्य में शांति रहती है। वित्त मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास मॉडल से जनता पूरी तरह परिचित है। हमलोग सबको विश्वास में और साथ लेकर चलने हैं। इससे शांति बनी रहती है। इससे इलाके में शांति बनी रहती है।

भाजपा ने विश्वसनीयता गंवाई 24 में होगी साफ : ललन

वहीं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि जुमलों और झूठे वादों के कारण भाजपा ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। चुनाव पूर्व जनता से किए गए वादों को सत्ता में पहुंचते जुमला कहते हैं, महंगाई पर चर्चा नहीं होती है। बेरोजगारी दूर करना तो छोड़िए सब सरकारी सेवाओं में नियुक्तियों पर प्रतिबंध लगा देना और देश के सबसे बड़े 81 हजार करोड़ के कार्पोरेट घोटाले पर मौन व्रत धारण कर लेने वाली पार्टी की तरफ कोई देखेगा भी क्यों ? उन्होंने पूछा कि आपके पास कोई आवेदन लेकर गया है क्या कभी ? भाजपा के साथ जाने की सोचने की बात ही छोड़ दीजिए। ललन सिंह ने तंज कसते हुए कहा कि बड़का झुट्ठा पार्टी एक डूबती नाव है, जिसका 2024 में डूबना निश्चित है।

नामचीन स्कूलों में कमीशन का खेल

» एक साथ बदल दिया कक्षा 7 और 8 की किताबें

» अभिभावकों ने की मुख्यमंत्री से शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के सेंट फ्रांसिस स्कूल, सेंट पॉल, सेंट थॉमस जैसे नामी स्कूलों में एडमिशन लेने लिए लोग लालायित रहते हैं। ऐसे नामचीन स्कूल सिर्फ लखनऊ में ही नहीं, बल्कि आसपास के और भी कई जिलों में हैं, जिनमें दाखिले के लिए अभिभावक और बच्चों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। इन नामी स्कूलों का एक बड़ा घोटाला सामने आया है। इन स्कूलों में क्लास 7 और 8 की किताबों को एक साथ बदल दिया गया है। जिससे अभिभावकों पर बड़ा बोझ पड़ा है। लेकिन किताबों के बदलने के पीछे बड़ा खेल किया गया है। जिसका खुलासा तब हुआ जब इसकी शिकायत मुख्यमंत्री से की गई।

खुलासे से पता चला कि किताबों को बदलने के पीछे का असल खेल कमीशन का है। ये पूरा खेल कैथलिक एजुकेशन के डायरेक्टर विसेंट पिंटो और बिशप की मिली भगत से किया गया है। किताबों पर मिलने वाली करोंड़ो की कमीशन को डोनेशन के नाम पर एक एनजीओ के खाते में डाला गया है। मामले की जानकारी होने पर जब 4पीएम ने इस मामले के शिकायतकर्ता से बता की, तो उन्होंने सारे मामले की परतें खोल कर रख दीं। उधर जब हमने इस मामले को लेकर कैथलिक एजुकेशन डायरेक्टर का पक्ष जानना चाहा तो उनका फोन नहीं उठा। फिलहाल स्कूलों द्वारा किताबों के बदलने से जहां अभिभावकों पर बोझ पड़ा है और वो परेशान है। तो वहीं दूसरी ओर इस कमीशनखोरी की मलाई का स्वाद स्कूल मैनेजमेंट के बड़े लोग एनजीओ के जरिए चख रहे हैं। इस पूरे मामले की शिकायत मुख्यमंत्री से भी की गई है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले पर कब कार्रवाई करता है।

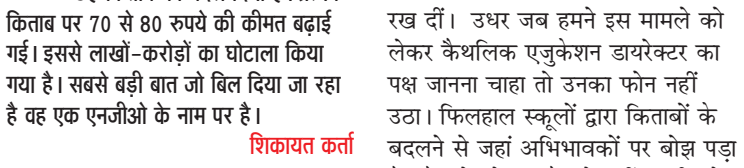

> इन स्कूलों ने कक्षा 7 व 8 की पांच-छह किताबें को बदल दिया है। प्रत्येक किताब पर 70 से 80 रुपये की कीमत बढ़ाई गई। इससे लाखों-करोड़ों का घोटाला किया गया है। सबसे बड़ी बात जो बिल दिया जा रहा है वह एक एनजीओ के नाम पर है।
>
> शिकायत कर्ता

दिल्ली के घर में गुजरात की विजयी गूंज

» आईपीएल मैच में कैपिटल्स ने टाइटंस को 6 विकेट से पीटा

» सुदर्शन व मिलर की उम्दा बल्लेबाजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल-16 के एक मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 6 विकेट से करारी शिकस्त दी। इसके साथ ही गुजरात टीम ने इस सीजन की लगातार दूसरी जीत दर्ज की। मैच में डेविड मिलर, साई सुदर्शन ने अंत में शानदार अर्धशतकीय साझेदारी कर टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

इस मैच में मिली जीत के बाद कप्तान हार्दिक पांड्या काफी कॉन्फिडेंट नजर आए। उन्होंने इस दौरान इस जीत का श्रेय एक खिलाड़ी को दिया। दरअसल, दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। ये दिल्ली टीम की इस सीजन की लगातार दूसरी हार रही। वहीं, हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम की तरफ से डेविड मिलर ने इस मैच में दमदार वापसी कर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। उनके अलावा साथ साई सुदर्शन का बल्ला जमकर गरजा, जिन्होंने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली।

जीत के बाद हार्दिक ने कहा मुझे काफी खुशी हो रही है कि हमने ये मुकाबला जीत लिया। हमने पावरप्ले में कुछ 15-20 रन ज्यादा दिए थे, लेकिन फिर अच्छी वापसी की। मैंने मैच से पहले अपने साथियों से कहा था कि गेम को इन्जॉय करो। वहीं, मैच में साई ने शानदार परफॉर्म किया। पिछले 15-20 दिनों से साई काफ़ी अच्छी बल्लेबाज़ी कर रहा है। वह आने वाले समय में हमारी फ्रेंचाइजी और देश के लिए काफ़ी कुछ अच्छा करेगा।

दिल्ली ने बनाए थे 162 रन

मैच में दिल्ली टीम ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 162 रन बनाए। वहीं, 163 रन का पीछा करते हुए गुजरात टाइटंस ने 18.1 ओवर में ही लक्ष्य हासिल किया। इस जीत में डेविड मिलर और साई सुदर्शन ने मैच विनिंग पारियां खेली। डेविड मिलर ने 16 गेंदों का सामना करते हुए 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से 31 रनों की नाबाद पारी खेली। उनके अलावा साई ने 48 गेंदों का सामना करते हुए 4 चौके और 2 छक्कों की बदौलत 62 रनों की नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

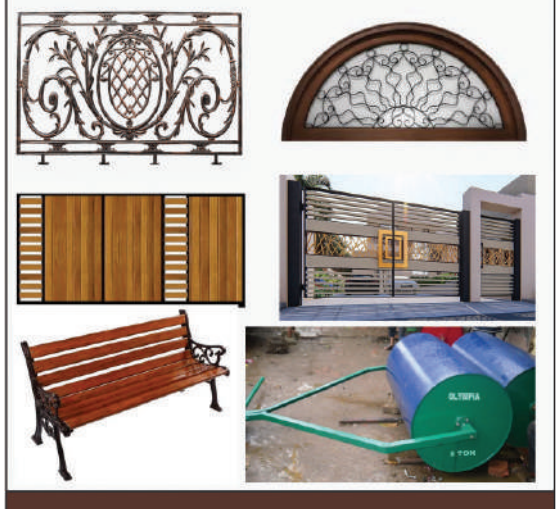

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

बिहार में सबकुछ ठीक है, हिंसा के पीछे गहरी साजिश : नीतीश कुमार

बोले- जल्द ही पता चल जाएगा कौन हैं अपराधी

» 2017 में नेता के ही बेटे को सांप्रदायिक तनाव में करवाया था गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में हिंसा के बाद कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा के आरोपों से घिरे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को कहा कि बिहार में सब कुछ ठीक है। स्थिति अब सामान्य है। उन्होंने हिंसा के पीछे साजिश की बात कही और बोले कि प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट था। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिर्फ मीडिया में बातें आ रही है।

हम तत्काल मीटिंग किए। एक-एक चीज पर मेरी नजर है। दोनों जिला समेत पूरे बिहार पर मेरी नजर है। सभी अधिकारियों को निर्देश दिया है। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि कोई प्रशासनिक लापरवाही नहीं हुई है। प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट थी। ये एक साजिश के तहत जानबूझकर किया गया है। जल्द ही पता चल जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस आरोपितों को ढूंढ रही है। वहीं, अमित शाह द्वारा दंगाइयों को उल्टा लटका देने वाले बयान पर सीएम नीतीश ने केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे का नाम लिए बिना भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2017 में हम भाजपा के साथ थे। तब एक नेता (अश्विनी चौबे) के बेटा ने ही सांप्रदायिक तनाव कराया था। हम तो उसको भी गिरफ्तार करवाए थे। बता दें कि साल 2018 में भागलपुर के नाथनगर में हिंदू नव वर्ष को लेकर बाइक जुलूस के दौरान उपद्रव फैलाने मामले में अश्विनी चौबे के बेटे अर्जित शाश्वत को बिहार पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

एक राज कर रहा है दूसरा उसका एजेंट

अपने गृह जिला नालंदा में उपद्रव और तनाव को लेकर सीएम ने कहा कि हमने तो वहां बहुत काम कराया है। कुछ खास नहीं है, सब कुछ नार्मल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दो लोग हैं, एक राज कर रहा है और दूसरा उसका एजेंट है। वो दोनों मिलकर ये सब इधर-उधर कर रहे हैं। हालांकि, सीएम ने किसी का नाम नहीं लिया। वहीं, नीतीश कुमार ने एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी पर भी निशाना साधा। उन्होंने ने कहा कि एआईएमआईएम क्या चीज है। केंद्र में सत्ताधारी दल का एजेंट है, कहां का रहने वाला है। भाजपा से अलग हुए तो हमसे तो मिलना चाहते थे लेकिन हमने मना कर दिया।

बिहार विधानसभा में हिंसा पर बवाल

» भाजपा विधायक को मार्शल ने सदन से किया बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा के बजट सत्र का आज अंतिम दिन है। बुधवार सुबह 11 बजे से प्रश्नकाल से सदन की कार्यवाही की शुरू हुई। कार्यवाही शुरू होते ही बिहार में हिंसा को लेकर भाजपा नेता विधानसभा में हंगामा करने लगे। विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने हंगामा करने पर भाजपा विधायक जीवेश मिश्रा को मार्शल से बाहर करवा दिया।

सदन से बाहर आए जीवेश मिश्रा ने कहा कि मैंने तो बिहार में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर सवाल किया था। मैंने इस पर मुख्यमंत्री को बुलाकर जवाब देने की मांग की थी। सवाल पूछने पर स्पीकर ने मार्शल बुलाकर मुझे सदन से बाहर निकाल दिया। बिहार में विपक्ष के साथ ये बर्ताव हो रहा है। भाजपा नेता सदन की कार्यवाही के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को घेरने में लगे रहे। हंगामे के बीच सासाराम और नवादा में हिंसा को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने सरकार से जबाव मांगा। जिसके बाद जबाव देने संसदीय कार्यमंत्री व वित्त मंत्री विजय चौधरी जबाव देने उठे। इसी बीच भाजपा नेता हंगामा करने लगे। विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने कहा कि मंत्री बोल रहे हैं, आप सुनिए। सरकार जबाव दे रही है। अध्यक्ष मार्शल से बोले-ये नहीं बैठे तो इन्हें निकाल बाहर करो।

उमेश पाल हत्याकांड : पूछताछ के बाद पांच आरोपी भेजे गए जेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। पुलिस ने कस्टडी रिमांड पर अतीक के पांचों गुर्गों से पूछताछ की। पांचों ने विस्तार से बताया कि कैसे उन्होंने षड्यंत्र और हत्याकांड से पहले गुर्गों को रुपये और मोबाइल देने की जिम्मेदारी असद ने उठा रखी थी तो बाद में शाइस्ता ने शूटरों और उसके परिवार वालों तक रुपये पहुंचाए।

पुलिस ने गुर्गों से पूछताछ के लिए 50 प्रश्नों की प्रश्नावली तैयार की थी। पांचों से दोपहर तीन बजे तक पूछताछ की गई। इसके बाद पांचों को वापस जेल भेज दिया गया। पुलिस ने धूमनगंज के नियाज अहमद, मो. सजर, कटरा के अरशद, अतीक के नौकर राकेश उर्फ लाला और कैश अहमद को कस्टडी रिमांड पर लिया। कोर्ट ने पुलिस को पांचों से पूछताछ के लिए छह घंटे की कस्टडी रिमांड मंजूर की थी। पुलिस पूछताछ के लिए 50 प्रश्नों की प्रश्नावली तैयार की थी। नियाज अहमद, सजर और अरशद ने उमेश पाल की हत्या के लिए रेकी की थी। नियाज ने बताया कि असद ने उससे 12 फरवरी को संपर्क किया था। अपने फोन से अतीक की नियाज से बात भी कराई गई थी।

» अतीक के गुर्गों की पुलिस रिमांड, उगले कई राज

हाईकोर्ट ने प. बंगाल सरकार को दिया निर्देश

» राज्य में अर्धसैनिक बलों की तैनाती कर सकती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने कलकत्ता हाईकोर्ट में रिसड़ा और शिवपुर में हाल में हुई हिंसा मामले को लेकर एक रिपोर्ट पेश की। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि आगामी हनुमान जयंती को देखते हुए राज्य में शांति सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। अदालत ने राज्य सरकार से कहा कि वह राज्य में विश्वास बहाली के लिए अर्धसैनिक बलों की तैनाती का अनुरोध कर सकती है।

इससे पहल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राम नवमी की शोभायात्रा के दौरान हिंसा कराने का बीजेपी पर आरोप लगाया। ममता ने कहा कि वह किसी दंगाई को बच कर भागने नहीं देंगी।

लिंचिंग और हेट स्पीच पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी : गृहमंत्री

» मुस्लिम प्रतिनिधिमंडल के साथ अमित शाह ने की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुस्लिम धर्मगुरुओं का एक प्रतिनिधिमंडल गृहमंत्री अमित शाह से मिला है। बताया जा रहा है कि इसमें देश में बढ़ रहे इस्लामोफोबिया पर चर्चा हुई है। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मौलाना महमूद मदनी ने किया।

डेलिगेशन में मौलाना मदनी के अलावा मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के कमाल फारूकी, नियाज फारूकी और प्रो अखूतरूल वासे शामिल थे। गृहमंत्री के साथ बैठक में रामनवमी पर बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र में हुई हिंसा और बिहार के नालंदा में मदरसे को आग लगाने को लेकर चर्चा हुई। साथ ही समलैंगिक विवाह और समान नागरिक संहिता को लेकर भी चर्चा हुई। मुस्लिम प्रतिनिधिमंडल ने अमित शाह को मुसलमानों से जुड़ी समस्याओं को लेकर प्रजेंटेशन भी दी।

एससी में वर्चुअली पेश हो सकते हैं वकील : सीजेआई

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामले फिर तेजी से बढ़ने लगे हैं। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने वकीलों को बड़ी छूट दे दी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए अधिवक्ताओं को कोर्ट में वर्चुअली पेश होने की अनुमति दे दी है। सीजेआई ने कहा कि अखबारों की रिपोर्ट बताती है कि कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं।

ऐसे में अगर वकील अदालत के सामने वर्चुअली रूप से पेश होना चाहते हैं तो वे ऐसा कर सकते हैं। वे हाईब्रिड मोड में भी काम कर सकते हैं। आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे के अंदर देश में रिकॉर्ड 4,435 लोग संक्रमित पाए गए। ये पिछले 163 दिन के आंकड़ों में सबसे अधिक है। इसी के साथ देश में एक्टिव केस की संख्या 23 हजार 91 पहुंच गई है। एक्टिव केस का मतलब ऐसे मरीज, जिनका अभी इलाज चल रहा है।

तेलंगाना के भाजपा प्रदेशाध्यक्ष गिरफ्तार

» भाजपाईयों ने किया हंगामा, केंद्रीय मंत्री ने डीजीपी से की बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तेलंगाना। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष और सांसद बंदी संजय को एसएससी परीक्षा पत्र लीक मामले में पुलिस द्वारा हिरासत में लेने के बाद मामला गर्माता जा रहा है। जहां पुलिस उन्हें दूसरे थाने में भेजने का काम कर रही है। वहीं भाजपा के नेता व समर्थक उनकी गिरफ्तारी का विरोध कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी के हैदराबाद प्रमुख रामचंदर राव से बात की और भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख बंदी की गिरफ्तारी के बारे में पूछा। वहीं बताया जा रहा है कि केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भी तेलंगाना के डीजीपी अंजनी कुमार से इस विषय पर बात की है। बता दें, तेलंगाना भाजपा के अध्यक्ष और सांसद बंदी संजय को यदाद्री भुवनगिरी जिले के बोम्मला रामाराम पुलिस थाने में हिरासत में लिया गया है। पुलिस उन्हें दूसरे स्थान पर स्थानांतरित कर रही है।

बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर

बुधवार सुबह उच्च न्यायालय की वकील और भाजपा प्रवक्ता रचना रेड्डी ने बताया कि भाजपा राज्य महासचिव बंगारू श्रुति ने राज्य भाजपा अध्यक्ष और सांसद बंदी संजय की हिरासत को लेकर उच्च न्यायालय में बंदी प्रत्यक्षीकरण (हैबियस कॉर्पस) याचिका दायर की है। वहीं उनके समर्थक लगातार पुलिस थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।